



जलवायु परिवर्तन के खतरों से किया आगाह

28 मार्च 2023 | 13 Views



ग्रह ऊर्जा के स्रोत, पर्यावरण और आपदा विज्ञान: ग्लेशियर पिघलने और जलवायु परिवर्तन पर प्रभाव पर संगोष्ठी

- डी. एन. वर्मा

लखनऊ : इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), यूपी स्टेट सेंटर, लखनऊ और स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज लखनऊ (एसएमएस) ने स्पीड 2022-23 पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया, जिसे एमएनएनआईटी, पूर्व छात्र संघ द्वारा समर्थित किया गया। मौका था यूपी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के तकनीकी सलाहकार आर के सिंह का। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. ज्योत्सना सिंह, डायरेक्टर सेंटर फॉर एवसीलेंस रिन्यूएबल एनर्जी लखनऊ विश्वविद्यालय ने की। श्री आर के त्रिवेदी, पूर्व अध्यक्ष, आईईआई, यूपी स्टेट सेंटर, लखनऊ और डॉ. पी के भारती, एचओडी-मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ भी इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे। संगोष्ठी का विषय था ग्लेशियर पिघलने और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव, निदेशक एसएमएस लखनऊ, प्रो. (डॉ.) मनोज मेहरोत्रा ने अतिथियों का स्वागत किया और संगोष्ठी के प्रस्तुतकर्ताओं और उपस्थित लोगों को विषय समझाया।

डॉ. भरत राज सिंह, महानिदेशक (तकनीकी) एसएमएस लखनऊ ने अतिथियों को जलवायु परिवर्तन के खतरों से आगाह किया। श्री आर के सिंह, तकनीकी सलाहकार, यूपी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड इस अवसर के मुख्य अतिथि थे, उन्होंने संगोष्ठी के विषय के रूप में चुने गए प्रत्येक शब्द के महत्व पर जोर दिया, उन्होंने संक्षिप्त नाम LIFE की रूपरेखा तैयार की, जो पर्यावरण के लिए जीवन शैली के लिए है। विशिष्ट

अतिथि डॉ. ज्योस्तना सिंह ने नवीकरणीय ऊर्जा के महत्व के बारे में बताया, जबकि डॉ. पी.के. भारती ने सौर ऊर्जा के महत्व पर जोर दिया।

समापन सत्र की अध्यक्षता डॉ. उषा बाजपेयी, पूर्व प्रोफेसर, सेंटर ऑफ रिन्यूएबल एनर्जी एंड रिसर्च, लखनऊ विश्वविद्यालय, इंजीनियरिंग, बी.सी. रॉय, अध्यक्ष, एमएनएनआईटी पूर्व छात्र संघ, लखनऊ चैंप्टर और प्रो. अशोक कुमार तिवारी, महासचिव, एमएनएनआईटी पूर्व छात्र संघ, लखनऊ। संगोष्ठी के विभिन्न विषयों पर 50 से अधिक तकनीकी प्रस्तुतियां हुईं। संगोष्ठी का समापन उपस्थित लोगों को स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र के वितरण के साथ हुआ।

इस अवसर पर डॉ. धर्मेन्द्र सिंह, एसोसिएट डायरेक्टर, एसएमएस लखनऊ, डॉ. जगदीश सिंह, सीजीएम, एसएमएस लखनऊ, डॉ. आशीष भटनागर, प्राचार्य एलयू पाठ्यक्रम, एसएमएस लखनऊ, डॉ. वी.बी. सिंह, संयुक्त निदेशक, एसएमएस लखनऊ भी उपस्थित थे।

<https://prahrinews.com/archives/69629>